

Padma Shri



SHRI GAURAV KHANNA

Shri Gaurav Khanna has been widely recognized as the Man behind the rise of Para Badminton in the country. He has extended commendable contribution in promoting sports among disabled and elevating them from grassroots level to the level of Deaflympics and Paralympics.

2. Born on 11th December, 1975, Shri Khanna received his B.Com degree (1995), Bachelor of Physical Education degree (1996), Diploma in Yoga (1998) from Lucknow University as well as NIS-Badminton (2010) and Master Trainers in Sports and Games for the Disability (2011) from SAI Bangalore and LNIPE, Gwalior respectively. His chronicle of battles that led to him becoming a role model for society is also included in the National Geographic documentary series One For Change.

3. Taking on the challenge of training hearing impaired athletes, Shri Khanna learned sign language to communicate with hearing impaired athletes and played an important role in representing India in a number of international Deaf competitions, including the Asian Deaf Pacific Games, World Deaf Badminton Championship, and Deaflympics. In addition to creating a number of Deaflympic and International medallists as a National Coach, he served as the "Continental coach" of the Asian Deaf Badminton Team in 2011.

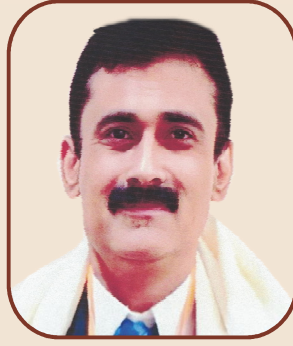
4. Apart from organizing tournaments and training camps for differently abled athletes, Shri Khanna established the country's first Residential Badminton academy dedicated to disabled athletes, where all categories of athletes from various parts of the country, train together for free. His residence for differently abled athletes is known as the "Drona Paralympic House" in Lucknow. Since 2015, after his nomination as Head National Coach of Indian Para Badminton Team, the Indian Para Badminton team has won 871 medals (239 Gold, 247 Silver, and 385 Bronze) in BWF recognized international competitions including the Asian Para Games, World Championships, and Tokyo Paralympics. Many of his trainee athletes are in World's top rank and have been conferred with highest sporting awards of the country.

5. During 2011-2015, working with the NSFs for PWDs i.e. Special Olympic Bharat, Paralympic Committee of India and All India Sports Council of Deaf, Shri Khanna contributed in formulating policy, drafting syllabus and teaching faculty for MYAS, GOI scheme for Sports and Games for the Disabilities in University of Physical Education (LNIPE), Gwalior and developed more than 5000 Master Trainers across the country.

6. Shri Khanna is also a qualified International Umpire and qualified International Referee of Badminton Asia, having travelled throughout the world to officiate and represent the country in over 100 international sporting events. Shri Khanna has also served as Competition Director, Competition Manager, Live Scorer, Match Controller, and Technical Official at several international and national level multisport events in India and overseas.

7. Shri Khanna is the recipient of numerous accolades and honours, including the highest state awards, Yash Bharti (2016) and Best Individual Working for the Cause of Disabilities (2019) from the Uttar Pradesh Government. He has been conferred with the country's highest coaching honour and is the first Dronacharya Awardee (2020) of Para Badminton in the country.

पद्म श्री



श्री गौरव खन्ना

श्री गौरव खन्ना ऐसे व्यक्ति के रूप में सुविख्यात हैं जिन्होंने देश में पैरा बैडमिंटन का उत्थान किया। उन्होंने दिव्यांगों के बीच खेलों को बढ़ावा देने और उन्हें जमीनी स्तर से डेफलिम्पिक्स और पैरालिम्पिक्स स्तर पर पहुंचाने में सराहनीय योगदान दिया है।

2. 11 दिसम्बर, 1975 को जन्मे, श्री खन्ना ने लखनऊ विश्वविद्यालय से अपनी बी.कॉम डिग्री (1995), शारीरिक शिक्षा स्नातक की डिग्री (1996), योग में डिप्लोमा (1998) और साई बंगलौर और एलएनआईपीई, ग्वालियर से क्रमशः एनआईएस-बैडमिंटन (2010) और निशक्तजन के लिए खेल मास्टर ट्रेनर (2011) की डिग्री प्राप्त की। समाज के लिए एक रोल मॉडल बनने की उनकी संघर्ष गाथा को नेशनल ज्योग्राफिक डॉक्यूमेंट्री शृंखला वन फॉर चेंज में भी शामिल किया गया है।

3. श्रवणबाधित एथलीटों को प्रशिक्षित करने की चुनौती को स्वीकार करते हुए, श्री खन्ना ने श्रवणबाधित एथलीटों के साथ बातचीत करने के लिए सांकेतिक भाषा सीखी और एशियाई बधिर प्रशांत खेलों, विश्व बधिर बैडमिंटन चैंपियनशिप और डेफलिम्पिक्स सहित कई अंतरराष्ट्रीय बधिर प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय कोच के रूप में कई डेफलिम्पिक्स और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता तैयार करने के अलावा, उन्होंने 2011 में एशियाई बधिर बैडमिंटन टीम के "कॉन्टिनेंटल कोच" के रूप में कार्य किया।

4. दिव्यांग एथलीटों के लिए टूर्नामेंट और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के अलावा, श्री खन्ना ने दिव्यांग एथलीटों को समर्पित देश की पहली आवासीय बैडमिंटन अकादमी की स्थापना की, जहां देश के विभिन्न हिस्सों के सभी श्रेणियों के एथलीट एक साथ निःशुल्क प्रशिक्षण लेते हैं। दिव्यांग एथलीटों के लिए उनका आवास लखनऊ में "द्रोण पैरालंपिक हाउस" के नाम से जाना जाता है। 2015 से, भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम के प्रमुख राष्ट्रीय कोच के रूप में उनके नामांकन के बाद, भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम ने एशियाई पैरा गेम्स, विश्व चैंपियनशिप और टोक्यो पैरालिंपिक सहित बीडब्ल्यूएफ मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 871 पदक (239 स्वर्ण, 247 रजत और 385 कांस्य) जीते हैं। उनके कई प्रशिक्षु एथलीट विश्व के शीर्ष रैंक पर हैं और उन्हें देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

5. श्री खन्ना ने 2011-2015 के दौरान, दिव्यांगों के लिए एनएसएफ यानी विशेष ओलंपिक भारत, भारतीय पैरालंपिक समिति और अखिल भारतीय बधिर खेल परिषद के साथ काम करते हुए, शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय (एलएनआईपीई), ग्वालियर में दिव्यांगों के लिए भारत सरकार की योजना एमवाईएस के लिए नीति बनाने, पाठ्यक्रम तैयार करने और शिक्षण संकाय में योगदान दिया तथा देश भर में 5000 से अधिक मास्टर ट्रेनर तैयार किए।

6. श्री खन्ना बैडमिंटन एशिया के एक योग्य अंतरराष्ट्रीय अंपायर और अंतरराष्ट्रीय रेफरी भी हैं। उन्होंने 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में अंपायरिंग और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए दुनिया भर की यात्रा की है। श्री खन्ना ने भारत और विदेशों में कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के बहु खेल आयोजनों में प्रतियोगिता निदेशक, प्रतियोगिता प्रबंधक, लाइव स्कोरर, मैच नियंत्रक और तकनीकी अधिकारी के रूप में भी कार्य किया है।

7. श्री खन्ना को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें सर्वोच्च राज्य पुरस्कार, यश भारती (2016) और उत्तर प्रदेश सरकार से दिव्यांगता के लिए कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति (2019) शामिल हैं। उन्हें देश का सर्वोच्च कोचिंग सम्मान प्रदान किया गया है और वह देश में पैरा बैडमिंटन के पहले द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्तकर्ता (2020) हैं।